

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 20 October 2026

मातृत्व के सपनों को सही उपचारों का सहारा : डॉ. प्रशंसा राऊत-दळवी की जागरूकता पहल

Sanket Morankar

Published on 19 Oct 2026



मातृत्व का सपना कई दंपतियों के जीवन में भावनात्मक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होता है। लेकिन जब गर्भधारण में अपेक्षा से अधिक समय लगता है, तो चिंता, मानसिक तनाव और पारिवारिक दबाव बढ़ सकते हैं। ऐसी परिस्थितियों में एक-दूसरे को दोष देने के बजाय सही चिकित्सकीय सलाह लेना और आपसी सहयोग बनाए रखना जरूरी है। डॉ. प्रशंसा राऊत-दळवी इसी संदेश के साथ गर्भधारण से जुड़ी कठिनाइयों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आधुनिक प्रजनन उपचारों की जानकारी सरल भाषा में लोगों तक पहुँचाने का प्रयास कर रही हैं।

गर्भधारण में देरी होने पर कई दंपती सामाजिक अपेक्षाओं और परिवार के सवाल के कारण तनाव महसूस करते हैं। कुछ मामलों में जानकारी की कमी के कारण वे जल्दबाजी में निष्कर्ष निकाल लेते हैं या बिना चिकित्सकीय सलाह के उपचार शुरू करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में सही जानकारी, समय पर जाँच और विशेषज्ञ का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण हो जाता है।

गर्भधारण को लेकर अनावश्यक चिंता से बचना जरूरी

डॉ. प्रशंसा के अनुभव में एक युवा दंपती विवाह के केवल तीन महीने बाद ही गर्भधारण न होने के कारण चिंतित होकर उनके क्लिनिक पहुँचा था। यह अनुभव दर्शाता है कि मातृत्व को लेकर सामाजिक अपेक्षाएँ कई बार दंपतियों पर अनावश्यक मानसिक दबाव बना सकती हैं।

चिकित्सकीय दृष्टि से, यदि कोई दंपती गर्भनिरोधक का उपयोग किए बिना नियमित रूप से गर्भधारण का प्रयास कर रहा है और एक वर्ष तक गर्भधारण नहीं होता, तो सामान्यतः प्रजनन संबंधी मूल्यांकन कराने की सलाह दी जाती है। हालांकि, महिला की उम्र 35 वर्ष या उससे अधिक होने पर छह महीने के प्रयास के बाद विशेषज्ञ से परामर्श लेने की सलाह दी जाती है। यदि मासिक धर्म

अनियमित हो, पहले से कोई प्रजनन संबंधी समस्या हो या अन्य चिकित्सकीय कारण मौजूद हों, तो इससे पहले भी डॉक्टर से संपर्क करना उचित हो सकता है।

हर दंपती की स्थिति अलग होती है। इसलिए गर्भधारण में लगने वाले समय को लेकर बिना पर्याप्त जानकारी के निष्कर्ष निकालना या स्वयं को दोष देना उचित नहीं है।

महिला और पुरुष दोनों की जाँच क्यों जरूरी है ?

गर्भधारण में कठिनाई होने पर अक्सर केवल महिला की जाँच पर ध्यान दिया जाता है। लेकिन प्रजनन संबंधी समस्याएँ महिला, पुरुष, दोनों या कभी-कभी ऐसे कारणों से जुड़ी हो सकती हैं जिनका स्पष्ट कारण प्रारंभिक जाँच में सामने नहीं आता। इसलिए दोनों साथियों का मूल्यांकन महत्वपूर्ण है।

महिला की जाँच में मासिक धर्म का इतिहास, अंडोत्सर्जन की स्थिति, सोनोग्राफी और जरूरत के अनुसार हार्मोन संबंधी परीक्षण शामिल हो सकते हैं। पुरुष की प्रजनन क्षमता के मूल्यांकन के लिए वीर्य की जाँच की जा सकती है। आवश्यकता के अनुसार डॉक्टर अन्य परीक्षणों की सलाह भी दे सकते हैं।

सही जाँच से संभावित कारणों को समझने और उपचार की दिशा तय करने में मदद मिलती है। प्रत्येक मामले में सभी परीक्षण जरूरी नहीं होते; कौन-सी जाँच उपयुक्त है, यह संबंधित व्यक्ति की चिकित्सकीय स्थिति और विशेषज्ञ के आकलन पर निर्भर करता है।

डॉ. प्रशंसा का संदेश है कि गर्भधारण में कठिनाई को केवल महिला की समस्या मानना सही नहीं है। दोनों साथियों की भागीदारी और सहयोग से जाँच तथा उपचार की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ सकती है।

आधुनिक प्रजनन उपचारों के विकल्प

आज प्रजनन चिकित्सा के क्षेत्र में कई उपचार विकल्प उपलब्ध हैं। इनमें ओव्यूलेशन इंडक्शन, इंद्रायूटेराइन इनसेमिनेशन (IUI) और इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) प्रमुख हैं। इन उपचारों का चयन दंपती की उम्र, जाँच के परिणाम, प्रजनन संबंधी समस्या और अन्य चिकित्सकीय परिस्थितियों के आधार पर किया जाता है।

ओव्यूलेशन इंडक्शन में चिकित्सकीय निगरानी के तहत ऐसी दवाओं का उपयोग किया जा सकता है, जिनका उद्देश्य अंडोत्सर्जन को प्रोत्साहित करना होता है। यह विकल्प कुछ विशेष परिस्थितियों में उपयोगी हो सकता है।

IUI यानी इंद्रायूटेराइन इनसेमिनेशन में तैयार किए गए शुक्राणुओं को उचित समय पर गर्भाशय के भीतर पहुँचाया जाता है। यह प्रक्रिया कुछ प्रकार की प्रजनन समस्याओं में सुझाई जा सकती है।

IVF यानी इन विट्रो फर्टिलाइजेशन में अंडाणु और शुक्राणु का निषेचन प्रयोगशाला में किया जाता है। इसके बाद विकसित भ्रूण को गर्भाशय में स्थानांतरित किया जा सकता है। IVF की प्रक्रिया और उसकी सफलता की संभावना व्यक्ति की उम्र, चिकित्सकीय स्थिति तथा अन्य कारकों पर निर्भर करती है।

कुछ विशेष परिस्थितियों में डोनर अंडाणु या शुक्राणु जैसे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। सरोगेसी भी कुछ मामलों में एक संभावित विकल्प हो सकती है, लेकिन इसके लिए चिकित्सकीय उपयुक्तता, लागू कानूनों और संबंधित नियमों का पालन आवश्यक है। इन सभी विकल्पों पर निर्णय प्रजनन विशेषज्ञ की सलाह और दंपती की व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर लिया जाना चाहिए।

उपचार के साथ भावनात्मक सहयोग भी महत्वपूर्ण

प्रजनन संबंधी जाँच और उपचार की प्रक्रिया कुछ दंपतियों के लिए भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकती है। बार-बार होने वाली जाँच, उपचार की अनिश्चितता, खर्च और सामाजिक दबाव तनाव बढ़ा सकते हैं। ऐसे समय में साथी का सहयोग, परिवार की समझदारी और जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से परामर्श लेना मददगार हो सकता है।

मातृत्व की यात्रा में हर दंपती का अनुभव अलग होता है। इसलिए दूसरों से तुलना करना या किसी पर दोषारोपण करना समस्या को और कठिन बना सकता है। सही जानकारी के आधार पर निर्णय लेना और उपचार के विकल्पों को समझना अधिक उपयोगी है।

जागरूकता से बेहतर निर्णयों की ओर

डॉ. प्रशंसा राऊत-दलवी गर्भधारण से जुड़ी कठिनाइयों पर खुलकर बात करने, समय पर चिकित्सकीय परामर्श लेने और महिला तथा पुरुष दोनों के प्रजनन स्वास्थ्य को समान महत्व देने का संदेश दे रही हैं। उनका दृष्टिकोण दंपतियों को अनावश्यक चिंता से बचने और विशेषज्ञ मार्गदर्शन के आधार पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

मातृत्व का सपना हर दंपती के लिए व्यक्तिगत और भावनात्मक महत्व रखता है। इस यात्रा में दोषारोपण के बजाय आपसी समझ, उचित जाँच और सही चिकित्सकीय सलाह को प्राथमिकता देना आवश्यक है। जागरूकता और सहयोग के साथ दंपती अपने स्वास्थ्य तथा भविष्य से जुड़े निर्णय अधिक स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ ले सकते हैं।

संपर्क विवरण

- मोबाइल : 9152593965
- ईमेल : drprashansa.raut@outlook.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.